

**BREAKING
NEWS**

DAILY



CURRENT AFFAIRS

2026

आज के सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न

 **Exam** में आने वाले **Questions**



27 JULY 2026



7:00 AM



UP Police



Teaching



SSC



Railway



A low-angle shot of a person jumping against a blue sky with clouds. The person is wearing a yellow and orange jacket, white shorts, and a backpack. They are in mid-air, with their arms and legs spread wide. The background is a bright blue sky with wispy white clouds. The person's shadow is visible on the ground below them.

तू अपने हुनर को अपना हथियार बना
अपने इरादों और भी धारदार बना

जो ख्वाब हकीकत में परेशां करते हो
उन्हीं ख्वाबों तू अपना शिकार बना ।

सारनाथ बना भारत का 45वाँ यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल
Sarnath becomes India's 45th UNESCO World Heritage Site.



- 25 जुलाई 2026 को दक्षिण कोरिया के बुसान में आयोजित यूनेस्को विश्व धरोहर समिति के 48वें सत्र में वाराणसी के सारनाथ के प्राचीन बौद्ध स्थल को आधिकारिक तौर पर भारत की 45वीं विश्व धरोहर संपत्ति (UNESCO World Heritage Site) घोषित किया गया है।
- यूनेस्को के इस टैग के अंतर्गत सारनाथ में मुख्य रूप से दो संरक्षित क्षेत्र शामिल हैं :-
 - 1. चौखंडी स्तूप
 - 2. सारनाथ के पुरातात्विक अवशेष (जिसमें धामेख स्तूप, धर्मराजिका स्तूप और अशोक स्तंभ का हिस्सा शामिल है)

- The ancient Buddhist site of Sarnath in Varanasi has been officially declared the 45th UNESCO World Heritage Site of India at the 48th session of the UNESCO World Heritage Committee held in Busan, South Korea on 25 July 2026.
- Sarnath mainly includes two protected areas under this tag of UNESCO:-
 - 1. Chaukhandi Stupa
 - 2. Archaeological remains of Sarnath (including Dhamekh Stupa, Dharmarajika Stupa and part of the Ashoka Pillar)

- सारनाथ को पहली बार 3 जुलाई 1998 को यूनेस्को की संभावित सूची में शामिल किया गया था
- सारनाथ के शामिल होने के बाद अब उत्तर प्रदेश में कुल 4 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल हो गए हैं (ताजमहल, आगरा का किला, फतेहपुर सीकरी और सारनाथ).
- सारनाथ के 45वें विश्व धरोहर स्थल बनने के बाद, भारत में कुल सांस्कृतिक स्थलों की संख्या 37 हो गई है सारनाथ एक सांस्कृतिक स्थल है

- Sarnath was first included in the UNESCO tentative list on 3 July 1998.
- After the inclusion of Sarnath, there are now a total of 4 UNESCO World Heritage Sites in Uttar Pradesh (Taj Mahal, Agra Fort, Fatehpur Sikri and Sarnath).
- After Sarnath becomes the 45th World Heritage Site, the total number of cultural sites in India has increased to 37. Sarnath is a cultural site.

यूनेस्को विश्व धरोहर समिति के 48वें सत्र में भारत की 45वीं विश्व धरोहर संपत्ति किसे घोषित किया गया?

Which site was declared India's 45th World Heritage Property at the 48th Session of the UNESCO World Heritage Committee?

- A. जिंगकिंग जरी (लिविंग रूट ब्रिज सांस्कृतिक परिदृश्य) / Jingkieng Jri (Living Root Bridge Cultural Landscape)
- B. प्राचीन बौद्ध स्थल, सारनाथ / Ancient Buddhist Site, Sarnath
- C. धोलावीरा / Dholavira
- D. चराइदेव मैदाम / Charaideo Maidams



B

- सारनाथ से संबंधित
- भगवान बुद्ध ने स्वयं अपने अनुयायियों के लिए चार महत्वपूर्ण तीर्थ स्थलों (धम्म यात्रा) का उल्लेख किया था, जो उनके जीवन की चार प्रमुख घटनाओं से जुड़े हैं-
- लुम्बिनी (नेपाल)- भगवान बुद्ध का जन्म स्थान
- बोधगया (बिहार, भारत)- वह स्थान जहाँ उन्होंने ज्ञान प्राप्त किया था
- सारनाथ (वाराणसी)- जहाँ बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश (धम्मचक्रप्रवर्तन) दिया था।
- कुशीनगर (उत्तर प्रदेश, भारत)- वह स्थान जहाँ उन्होंने महापरिनिर्वाण (मृत्यु) प्राप्त किया।

- Related To Sarnath
- Lord Buddha himself mentioned four important pilgrimage sites (Dhamma Yatra) for his followers, which are associated with four major events of his life-
- Lumbini (Nepal) – Birth place of Lord Buddha
- Bodh Gaya (Bihar, India) – the place where he attained enlightenment
- Sarnath (Varanasi) – where Buddha gave his first sermon (Dhammachakrapravartana).
- Kushinagar (Uttar Pradesh, India) – the place where he attained Mahaparinirvana (death).

- सारनाथ में बौद्ध संघ की नींव रखी गई थी।
- सारनाथ में धमेख स्तूप है जहाँ बुद्ध ने उपदेश दिया था
- धामेख स्तूप का निर्माण मूल रूप से मौर्य सम्राट अशोक द्वारा कराया गया था, जिसका बाद में गुप्त राजाओं के समय जीर्णोद्धार और विस्तार किया गया।
- सारनाथ संग्रहालय में गुप्त काल की 'धर्मचक्र प्रवर्तन मुद्रा' (उपदेश देते हुए) वाली बुद्ध प्रतिमा सर्वोत्कृष्ट उदाहरण मानी जाती है (स्थापना 1904 में सर जॉन मार्शल द्वारा)

- The foundation of the Buddhist Sangha was laid in Sarnath.
- Dhamekh Stupa in Sarnath is where Buddha preached
- Dhamekh Stupa was originally built by the Maurya emperor Ashoka, which was later renovated and expanded during the time of the Gupta kings.
- The Buddha statue in 'Dharmachakra Pravartan Mudra' (giving sermon) of the Gupta period in Sarnath Museum is considered to be the best example (established by Sir John Marshall in 1904).

- सारनाथ में चौखंडी स्तूप- जहाँ बुद्ध अपने पांच शिष्यों से पहली बार मिले थे।
- सम्राट अशोक द्वारा सारनाथ में 'सिंह स्तंभ' स्थापित करवाया था
- भारत का राजचिह्न अशोक स्तंभ सारनाथ से लिया गया है। इसमें चार सिंह एक-दूसरे की ओर पीठ किए खड़े हैं।(सम्राट अशोक द्वारा निर्मित)
- राष्ट्रीय प्रतीक के नीचे बने चक्र (धर्मचक्र) में 24 तीलियाँ हैं।
- इसके चारों तरफ चार जानवर बने हैं, जो :- घोड़ा (कंटक - बुद्ध के गृहत्याग का प्रतीक)
- सांड/बैल (बुद्ध की राशि - वृषभ का प्रतीक)

- Chaukhandi Stupa in Sarnath – where Buddha met his five disciples for the first time.
- 'Lion Pillar' was installed in Sarnath by Emperor Ashoka.
- The coat of arms of India is derived from the Ashoka Pillar at Sarnath. In this, four lions are standing with their backs towards each other. (Built by Emperor Ashoka)
- The wheel (Dharmachakra) below the national emblem has 24 spokes.
- There are four animals around it, which are: - Horse (Kantaka - symbol of Buddha's renunciation of home)
- Bull (Buddha's zodiac sign - symbol of Taurus)

- हाथी (बुद्ध के गर्भ में आने का प्रतीक)
- शेर (बुद्ध के शाक्यसिंह होने का प्रतीक)
- प्रतीक के नीचे देवनागरी लिपि में 'सत्यमेव जयते' लिखा है, जो मुंडकोपनिषद से लिया गया है।
- प्राचीन काल में सारनाथ को 'ऋषिपत्तन' और 'मृगदाव' के नाम से जाना जाता था।
- जैन ग्रंथों में सारनाथ को सिंहपुर कहा गया है
- बौद्ध ग्रंथों में सारनाथ को 'ऋषिपत्तन' और 'मृगदाव' कहा गया है।
- चीनी यात्री फ़ाहियान (गुप्त काल) और ह्वेनसांग (हर्षवर्धन के काल) दोनों ने सारनाथ की यात्रा की थी

- Elephant (symbol of Buddha's birth)
- Lion (symbol of Buddha being Shakya Singh)
- Below the symbol is written 'Satyameva Jayate' in Devanagari script, which is taken from the Mundakopanishad.
- In ancient times, Sarnath was known as 'Rishipatan' and 'Mrigadav'.
- Sarnath has been called Singhpur in Jain texts.
- In Buddhist texts, Sarnath has been called 'Rishipatna' and 'Mrigadava'.
- Chinese travelers Fa-hien (Gupta period) and Hiuen Tsang (Harshavardhana period) both visited Sarnath.

- यूनेस्को का धरोहर स्थल
- भारत में विश्व धरोहर सूची में शामिल स्थल: 45
- भारत में सांस्कृतिक विश्व धरोहर स्थल: 37
- भारत में प्राकृतिक विश्व धरोहर स्थल: 07
- भारत में मिश्रित विश्व धरोहर स्थल: 01
- भारत के पहले यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल (1983): आगरा का किला (UP), ताजमहल (UP), अजंता की गुफाएँ (महाराष्ट्र), एलोरा की गुफाएँ (महाराष्ट्र)
- वर्तमान में, यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की अस्थायी सूची में भारत के कुल 69 स्थल शामिल हैं

- UNESCO heritage site
- Sites included in World Heritage List in India: 45
- Cultural World Heritage Sites in India: 37
- Natural World Heritage Sites in India: 07
- Mixed World Heritage Sites in India: 01
- India's first UNESCO World Heritage Sites (1983): Agra Fort (UP), Taj Mahal (UP), Ajanta Caves (Maharashtra), Ellora Caves (Maharashtra).
- Currently, a total of 69 sites in India are included in the UNESCO's tentative list of World Heritage Sites.

- जुलाई 2026 तक भारत में कुल 45 विश्व धरोहर स्थल हैं।
- 44वां स्थल 'मराठा सैन्य परिदृश्य'
- भारत में सर्वाधिक विश्व धरोहर स्थल वाला राज्य- महाराष्ट्र है
- 2024 में शामिल यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल :मोइड्राम (असम)
- भारत की यूनेस्को की अमूर्त विरासत - 16 शामिल हैं. दीपावली (2025) 16वां
- अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए अंतर-सरकारी समिति के 20वें सत्र- नई दिल्ली

- There are a total of 45 World Heritage Sites in India as of July 2026.
- 44th site 'Maratha Military Landscape'
- The state with the highest number of World Heritage Sites in India is Maharashtra.
- UNESCO World Heritage Site included in 2024: Moidram (Assam)
- UNESCO Intangible Heritage of India – Contains 16. Diwali (2025) 16th
- 20th Session of the Intergovernmental Committee for the Protection of Intangible Cultural Heritage - New Delhi

- सबसे अधिक विश्व धरोहर स्थल वाला देश- इटली (61), भारत 6वें स्थान पर है
- यूनेस्को के वर्तमान महानिदेशक खालिद अल-एनानी(मिश्र)
- यूनेस्को का मुख्यालय पेरिस (फ्रांस) में डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया गया है

- Country with the highest number of World Heritage Sites: Italy (61); India ranks 6th.
- Current Director-General of UNESCO: Khaled El-Enany (Egypt).
- A statue of Dr. Ambedkar has been unveiled at the UNESCO headquarters in Paris (France).

प्रह्लाद जोशी को मिला शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार
Pralhad Joshi gets additional charge of the Ministry of Education.



- जुलाई 2026 में शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार प्रह्लाद जोशी को दिया गया
- 25 जुलाई 2026 को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नीट (NEET-UG) परीक्षा विवाद और छात्र विरोध प्रदर्शनों के कारण अपने पद से इस्तीफा दे दिया है।
- धर्मेंद्र प्रधान ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर विभिन्न छात्र संगठनों व कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) द्वारा किए जा रहे 36 दिनों के लंबे आंदोलन के दबाव में आकर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना इस्तीफा सौंपा।
- भारत में NEET-UG परीक्षा का आयोजन NTA (National Testing Agency) -द्वारा किया जाता है इसकी स्थापना 2017 में हुई थी

- Additional charge of Education Ministry given to Prahlad Joshi in July 2026
- On July 25, 2026, Union Education Minister Dharmendra Pradhan has resigned from his post due to the NEET (NEET-UG) exam controversy and student protests.
- Dharmendra Pradhan submitted his resignation to Prime Minister Narendra Modi under pressure from the 36-day long agitation being conducted by various student organizations and the Cockroach Janata Party (CJP) at Delhi's Jantar Mantar.
- In India, NEET-UG exam is conducted by NTA (National Testing Agency). It was established in 2017.

- NEET-UG के माध्यम से MBBS, BDS, AYUSH और अन्य चिकित्सा स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाता है
- परीक्षा सुधारों और NTA के कामकाज की समीक्षा के लिए सरकार ने जून 2024 में .के. राधाकृष्णन समिति का गठन किया था
- पेपर लीक और सरकारी परीक्षाओं में अनुचित साधनों को रोकने के लिए 2024 में लोक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) अधिनियम, 2024 लागू किया गया
- 2020 में 'मानव संसाधन विकास मंत्रालय' (MHRD) का नाम बदलकर दोबारा 'शिक्षा मंत्रालय' किया गया था

- Admission to MBBS, BDS, AYUSH and other medical undergraduate courses is done through NEET-UG.
- To review the examination reforms and functioning of NTA, the government has appointed .K. in June 2024. Radhakrishnan Committee was formed
- Public Examinations (Prevention of Unfair Means) Act, 2024 enacted in 2024 to prevent paper leaks and unfair means in government examinations
- In 2020, the 'Ministry of Human Resource Development' (MHRD) was renamed as 'Ministry of Education'.

- केंद्रीय मंत्री अपना इस्तीफा भारत के राष्ट्रपति को (प्रधानमंत्री की सलाह पर) सौंपते हैं (व्यावहारिक रूप से इस्तीफा प्रधानमंत्री को दिया जाता है)
- अनुच्छेद 75(2) के तहत मंत्री राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत पद पर रहते हैं।
- केंद्रीय मंत्री व्यक्तिगत रूप से राष्ट्रपति के प्रति उत्तरदायी होते हैं - अनुच्छेद 75(2)
- मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से अनुच्छेद 75(3) के तहत लोकसभा प्रति उत्तरदायी होती है

- The Union Minister submits his resignation to the President of India (on the advice of the Prime Minister) (in practice the resignation is submitted to the Prime Minister)
- Under Article 75(2), ministers hold office during the pleasure of the President.
- Union Ministers are personally responsible to the President - Article 75(2)
- The Council of Ministers is collectively answerable to the Lok Sabha under Article 75(3)

जुलाई 2026 में शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार किसे दिया गया है?

Who was given the additional charge of the Ministry of Education in July 2026?

A. जे. पी. नड्डा / J. P. Nadda

B. धर्मेंद्र प्रधान / Dharmendra Pradhan

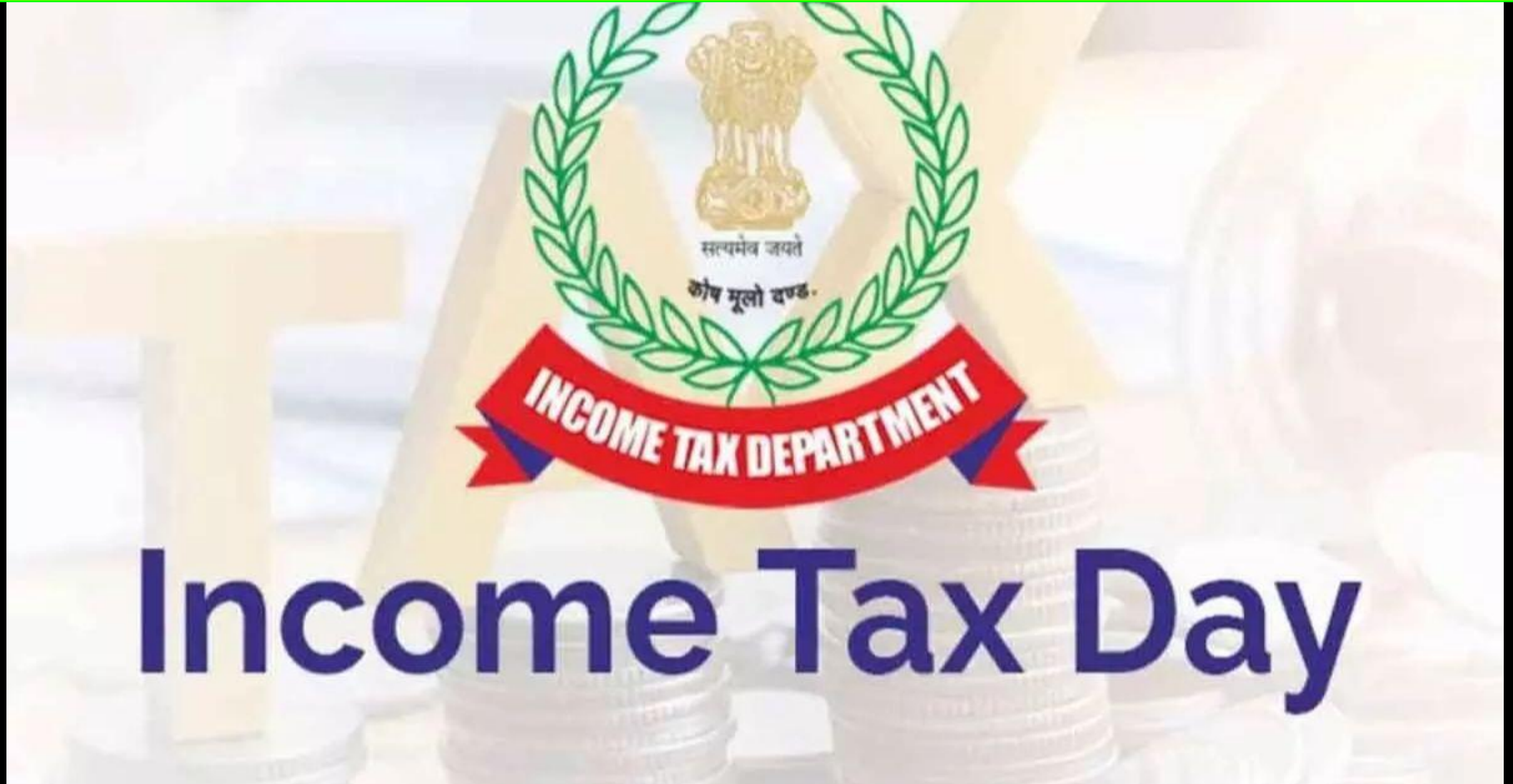
C. अश्विनी वैष्णव / Ashwini Vaishnaw

D. प्रह्लाद जोशी / Pralhad Joshi



D

आयकर दिवस: भारत की कर व्यवस्था के 166 वर्ष
Income Tax Day: 166 Years of India's Tax System



- आयकर दिवस हर साल 24 जुलाई को मनाया जाता है। यह दिन भारत में आयकर (Income Tax) की शुरुआत की याद में मनाया जाता है और ईमानदारी से टैक्स भरने वाले लोगों का सम्मान करने के लिए भी मनाया जाता है।
- 24 जुलाई क्यों मनाया जाता है?
- 24 जुलाई 1860 को भारत में पहली बार सर जेम्स विल्सन ने आयकर लागू किया था।
- इसका उद्देश्य 1857 के विद्रोह के बाद सरकार की आर्थिक स्थिति सुधारना था।
- 2010 में केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (CBDT) ने पहली बार आयकर दिवस मनाना शुरू किया।

- Income Tax Day is celebrated every year on 24th July. This day is celebrated to commemorate the introduction of Income Tax in India and is also celebrated to honor the people who pay taxes honestly.
- Why is 24th July celebrated?
- Income tax was implemented for the first time in India by Sir James Wilson on 24 July 1860.
- Its objective was to improve the economic condition of the government after the rebellion of 1857.
- In 2010, the Central Board of Direct Taxes (CBDT) started celebrating Income Tax Day for the first time.

➤ इसका उद्देश्य आयकर विभाग के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाना था।

➤ Its objective was to celebrate the completion of 150 years of the Income Tax Department.

हाल ही में आयकर दिवस 2026 कब मनाया गया?

When was Income Tax Day 2026 celebrated?

- A. 24 जुलाई / 24 July
- B. 25 जुलाई / 25 July
- C. 18 जुलाई / 18 July
- D. 26 जुलाई / 26 July

A blue oval button with a white capital letter 'A' in the center.

राजस्थान ने लॉन्च किया 'मुख्यमंत्री युवा सुयोग' प्लेटफॉर्म
Rajasthan launches 'Chief Minister Yuva Suyog' platform.



- मुख्यमंत्री युवा सुयोग प्लेटफॉर्म का शुभारंभ राजस्थान में किया गया।
- इसका शुभारंभ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया।
- इसका उद्देश्य युवाओं को खेल गतिविधियों से जोड़ना, कौशल विकास को बढ़ावा देना तथा रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है।
- इस योजना की प्रायोगिक शुरुआत बागरू विधानसभा क्षेत्र एवं बारां जिले से की गई।

- The Chief Minister Yuva Suyog Platform was launched in Rajasthan.
- It was launched by Chief Minister Bhajanlal Sharma.
- Its objective is to engage youth in sports activities, promote skill development, and provide employment opportunities.
- The scheme was launched on a pilot basis in the Bagru Assembly constituency and Baran district.

हाल ही में चर्चा में रहा 'मुख्यमंत्री युवा सुयोग प्लेटफॉर्म' का संबंध किस राज्य से है?

The recently discussed 'Mukhyamantri Yuva Suyog Platform' is associated with which state?

- A. राजस्थान / Rajasthan
- B. मध्य प्रदेश / Madhya Pradesh
- C. उत्तर प्रदेश / Uttar Pradesh
- D. हरियाणा / Haryana

A

उदमारु पुल से नुब्रा घाटी को मिली सालभर निर्बाध कनेक्टिविटी
Udmaru Bridge provides year-round, uninterrupted connectivity to Nubra Valley.



- हाल ही में लद्दाख के नुब्रा जिले में उद्घाटित उदमारू पुल श्योक नदी पर बनाया गया है।
- इस पुल का उद्घाटन जुलाई 2026 में लद्दाख के उप-राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने किया है
- यह ब्रिज ट्रस सिस्टम ब्रिज सिस्टम पर आधारित है
- पुल का प्रकार: तीन-स्पैन ट्रस ब्रिज
- यह पुल सालभर कनेक्टिविटी सुनिश्चित करता है और प्रसिद्ध बौद्ध तीर्थस्थल शाम गोम्बो (यारमा गोम्बो) तक पहुंच आसान बनाता है।
- श्योक नदी सिंधु नदी की सहायक नदी है
- श्योक नदी को "मौत की नदी" कहा जाता है
- श्योक नदी का उद्गम रिमो ग्लेशियर से होता है

- The recently inaugurated Udmaru bridge in Nubra district of Ladakh has been built on the Shyok river.
- This bridge is inaugurated by Lieutenant Governor of Ladakh Vinay Kumar Saxena in July 2026
- This bridge truss system is based on bridge system
- Bridge Type: Three-span truss bridge
- The bridge ensures year-round connectivity and facilitates access to the famous Buddhist pilgrimage site Sham Gombo (Yarama Gonbo).
- Shyok River is a tributary of Indus River
- Shyok River is called "River of Death"
- Shyok River originates from Rimo Glacier

- यह लद्दाख श्रेणी के उत्तर में बहती है और नुब्रा घाटी का निर्माण करती है।
- नुब्रा नदी श्योक नदी की प्रमुख सहायक नदी है। यह साल्टोरो ग्लेशियर से निकलती है

- It flows north of the Ladakh range and forms the Nubra Valley.
- Nubra River is a major tributary of Shyok River. It originates from the Saltoro Glacier

जुलाई 2026 में उद्घाटित 'उदमारू पुल' किस नदी पर बनाया गया है?

The 'Udmaru Bridge', inaugurated in July 2026, has been built over which river?

- A. झेलम नदी / Jhelum River
- B. चिनाब नदी / Chenab River
- C. सतलुज नदी / Sutlej River
- D. शायोक नदी / Shyok River



D

भारत बना कपास खेती क्षेत्रफल में विश्व का नंबर-1 देश

India has become the world's number one country in terms of cotton cultivation area.

India's Cotton Sector



- कपास की खेती के क्षेत्रफल के मामले में भारत ने दुनिया में पहला (शीर्ष) स्थान हासिल किया है।
- देश में लगभग 114.84 लाख हेक्टेयर भूमि पर कपास की खेती होती है,
- जो वैश्विक कपास क्षेत्र का लगभग 38% है।
- कुल क्षेत्र का लगभग 62% भाग वर्षा पर निर्भर है, जबकि 38% सिंचित क्षेत्र है।
- भारत कपास के उत्पादन और खपत दोनों में दुनिया में दूसरे स्थान पर है। (चीन पहले स्थान पर है)
- भारत दुनिया का इकलौता देश है जो कपास की चारों मान्यता प्राप्त प्रजातियों की खेती करता है। (Arboreum, Herbaceum, Hirsutum, और Barbadense)

- India has secured the first (top) position in the world in terms of area under cotton cultivation.
- Cotton is cultivated on about 114.84 lakh hectares of land in the country.
- Which is about 38% of the global cotton area.
- About 62% of the total area is dependent on rainfall, while 38% is irrigated area.
- India ranks second in the world in both production and consumption of cotton. (China ranks first)
- India is the only country in the world that cultivates all four recognized species of cotton (Arboreum, Herbaceum, Hirsutum, and Barbadense).

- कपास को इसकी चमक और बड़े आर्थिक महत्व के कारण 'सफेद सोना' कहा जाता है।
- कपास का प्रमुख उत्पादक राज्यों - गुजरात, महाराष्ट्र और तेलंगाना
- भारत में कपास की खेती को मुख्य रूप से तीन क्षेत्रों में बांटा जाता है - उत्तरी मध्य और दक्षिण
- कपास की खेती के लिए सबसे उपयुक्त मिट्टी - काली मिट्टी इसे रेगुर मिट्टी या 'ब्लैक कॉटन सॉइल' भी कहा जाता है इसे स्वत जूता हवा भूमि भी कहते हैं
- कपास खरीफ फसल का उदाहरण है
- कपास की अच्छी उपज के लिए जलवायु - 21°C से 30°C तापमान, 50-100 सेमी वर्षा, और कम से कम 210 पाला-रहित दिन

- Cotton is called 'white gold' because of its luster and great economic importance.
- Major cotton producing states – Gujarat, Maharashtra and Telangana
- Cotton cultivation in India is mainly divided into three regions – North, Central and South.
- Most suitable soil for cotton cultivation - Black soil. It is also called Regur soil or 'Black cotton soil'. It is also called Swat Shoe Hawa Bhoomi.
- Cotton is an example of Kharif crop.
- Climate for good cotton production – 21°C to 30°C temperature, 50-100 cm rainfall, and at least 210 frost-free days.

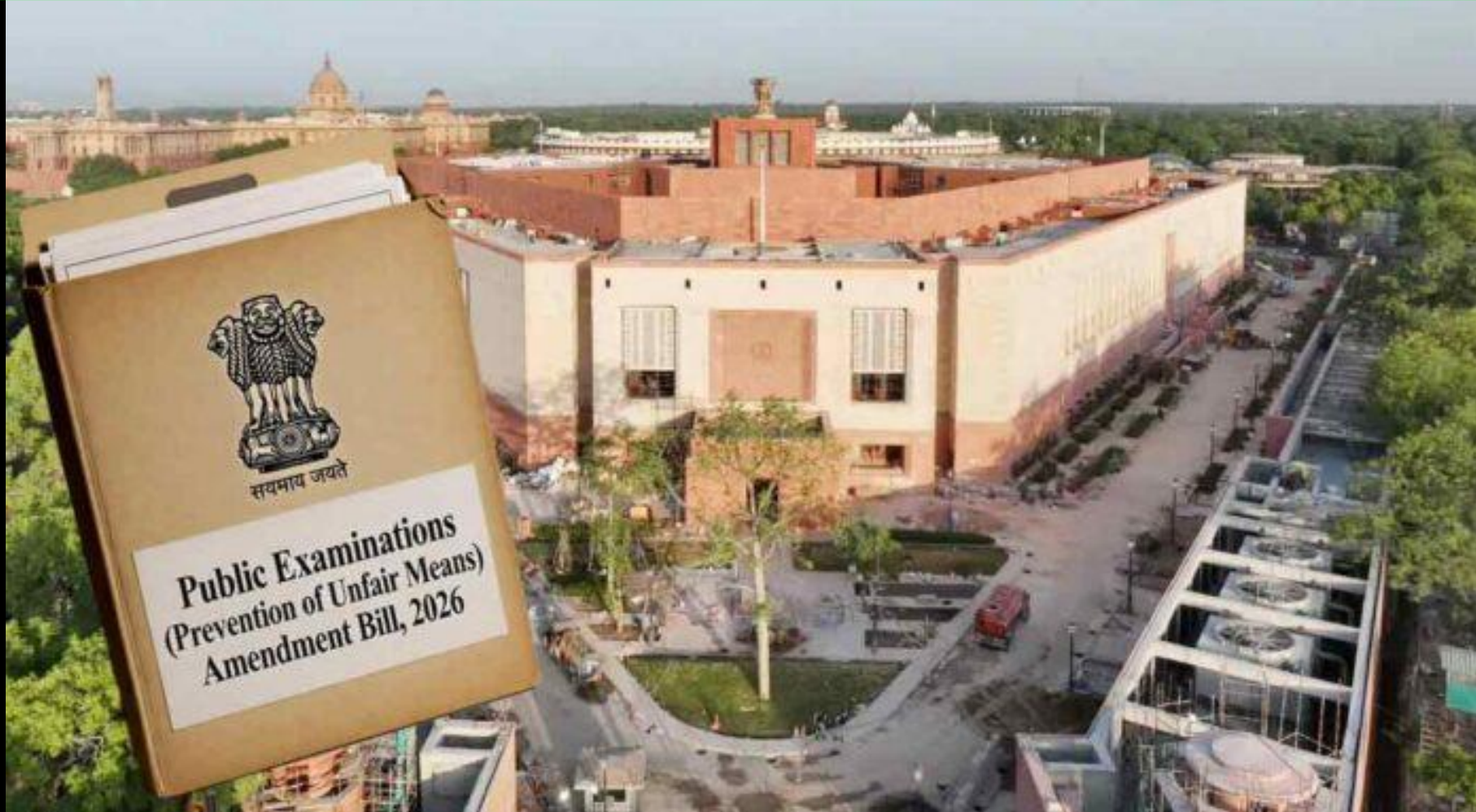
भारत दुनिया में किस फसल के खेती क्षेत्रफल (Area under Cultivation) के मामले में प्रथम स्थान पर है?

India ranks first in the world in terms of the area under cultivation of which crop?

- A. गेहूँ / Wheat
- B. चावल / Rice
- C. कपास / Cotton
- D. गन्ना / Sugarcane



एंटी-पेपर लीक कानून होगा और सख्त
Anti-paper leak law to be made stricter



- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 में संशोधन को मंजूरी दी।
- संशोधन का उद्देश्य प्रश्नपत्र लीक एवं संगठित नकल के मामलों में कड़े दंड का प्रावधान करना है।
- प्रश्नपत्र लीक के मामलों में न्यूनतम सजा 3 वर्ष से बढ़ाकर 5 वर्ष कर दी गई है।
- अधिकतम जुर्माना ₹10 करोड़ तक करने का प्रस्ताव है।

- The Union Cabinet approved amendments to the Public Examinations (Prevention of Unfair Means) Act, 2024.
- The purpose of the amendment is to provide for stringent punishment in cases of question paper leak and organized copying.
- The minimum punishment in question paper leak cases has been increased from 3 years to 5 years.
- The maximum fine is proposed to be up to ₹10 crore.

- संशोधित कानून के तहत प्रश्नपत्र लीक, प्रतिरूपण (Impersonation), फर्जी परीक्षा वेबसाइट, गोपनीय डेटा तक अनधिकृत पहुंच तथा संगठित परीक्षा धोखाधड़ी जैसे अपराध शामिल रहेंगे।
- संशोधन में विशेष जांच तंत्र एवं फास्ट-ट्रैक अदालतों के माध्यम से मामलों का शीघ्र निपटारा करने पर भी जोर दिया गया है।
- इसका उद्देश्य छात्रों के हितों की रक्षा, परीक्षा प्रणाली में जनविश्वास बहाल करना तथा निष्पक्ष परीक्षाएं सुनिश्चित करना है।

- Under the amended law, crimes like question paper leak, impersonation, fake examination website, unauthorized access to confidential data and organized examination fraud will be included.
- The amendment also emphasizes on speedy disposal of cases through special investigation mechanism and fast-track courts.
- Its objective is to protect the interests of students, restore public confidence in the examination system and ensure fair examinations.

पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट, 2024 में प्रस्तावित संशोधन के तहत, प्रश्नपत्र लीक के लिए नई न्यूनतम सज़ा क्या है?

Under the proposed amendment to the Public Examinations (Prevention of Unfair Means) Act, 2024, what is the new minimum punishment for question paper leaks?

- A. 2 वर्ष / 2 Years
- B. 3 वर्ष / 3 Years
- C. 5 वर्ष / 5 Years
- D. 7 वर्ष / 7 Years



'वीव्स ऑफ इंडिया फेस्टिवल 2026' का नई दिल्ली में आगाज़
'Weaves of India Festival 2026' kicks off in New Delhi



- 'वीव्स ऑफ इंडिया फेस्टिवल 2026' का आयोजन 24 जुलाई–7 अगस्त 2026 तक सेंट्रल कॉटेज इंडस्ट्रीज एम्पोरियम (CCIE), जनपथ, नई दिल्ली में किया जा रहा है।
- इसका आयोजन वस्त्र मंत्रालय के अंतर्गत विकास आयुक्त (हथकरघा) कार्यालय द्वारा किया जा रहा है।
- महोत्सव में 116 पारंपरिक हथकरघा बुनाइयों का प्रदर्शन किया जा रहा है।
- इसका उद्देश्य भारत की वस्त्र विरासत को बढ़ावा देना, कारीगरों को समर्थन देना तथा स्वदेशी हथकरघा उत्पादों के उपयोग को प्रोत्साहित करना है।

- 'Wives of India Festival 2026' is being organized from 24 July–7 August 2026 at Central Cottage Industries Emporium (CCIE), Janpath, New Delhi.
- It is being organized by the Office of the Development Commissioner (Handloom) under the Ministry of Textiles.
- 116 traditional handloom weaves are being displayed in the festival.
- Its objective is to promote India's textile heritage, support artisans and encourage the use of indigenous handloom products.

- प्रदर्शित प्रमुख वस्त्रों में बनारसी सिल्क, जामदानी, कांचीपुरम सिल्क एवं संबलपुरी इकत शामिल हैं।
- हथकरघा क्षेत्र ग्रामीण रोजगार सृजन, महिला सशक्तिकरण, पारंपरिक शिल्प संरक्षण तथा सतत वस्त्र उत्पादन एवं निर्यात में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

- Major fabrics displayed include Banarasi Silk, Jamdani, Kanchipuram Silk and Sambalpuri Ikat.
- The handloom sector contributes significantly to rural employment generation, women empowerment, preservation of traditional crafts and sustainable textile production and export.

- परीक्षा हेतु तथ्य
- राष्ट्रीय हथकरघा दिवस प्रत्येक वर्ष 7 अगस्त को मनाया जाता है।
- इसकी शुरुआत वर्ष 2015 में हुई थी।
- यह दिवस 7 अगस्त 1905 के स्वदेशी आंदोलन की स्मृति तथा भारत के बुनकर समुदाय के सम्मान में मनाया जाता है।

- Facts For Exam
- National Handloom Day is celebrated every year on 7 August.
- It was started in the year 2015.
- This day is celebrated on 7 August in memory of the Swadeshi movement of 1905 and in honor of the weaving community of India.

'वीव्स ऑफ इंडिया फेस्टिवल 2026' का आयोजन 24 जुलाई–7 अगस्त 2026 तक कहाँ किया जा रहा है?

Where is the 'Weaves of India Festival 2026' being organized from 24 July to 7 August 2026?

- A. प्रगति मैदान, नई दिल्ली / Pragati Maidan, New Delhi
- B. सेंट्रल कौटेज इंडस्ट्रीज एम्पोरियम (CCIE), जनपथ, नई दिल्ली / Central Cottage Industries Emporium (CCIE), Janpath, New Delhi
- C. भारत मंडपम, नई दिल्ली / Bharat Mandapam, New Delhi
- D. विज्ञान भवन, नई दिल्ली / Vigyan Bhawan, New Delhi



B

वाराणसी में शुरू हुआ इलेक्ट्रिक बोट कन्वर्जन पायलट प्रोजेक्ट
Electric boat conversion pilot project launched in Varanasi.



- भारत ने वाराणसी के नमो घाट पर इलेक्ट्रिक बोट कन्वर्जन पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया।
- इसका उद्देश्य गंगा नदी में सतत परिवहन को बढ़ावा देना, वायु एवं ध्वनि प्रदूषण कम करना तथा स्वच्छ ऊर्जा और पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन को प्रोत्साहित करना है।
- इस परियोजना को वाराणसी विकास प्राधिकरण (VDA) एवं गेल (इंडिया) लिमिटेड (GAIL) द्वारा लागू किया जा रहा है।
- परियोजना के प्रथम चरण का उद्घाटन वाराणसी के महापौर अशोक कुमार तिवारी ने किया।

- India launches electric boat conversion pilot project at Namohat in Varanasi.
- Its objective is to promote sustainable transportation in the river Ganga, reduce air and noise pollution and encourage clean energy and eco-friendly tourism.
- This project is being implemented by Varanasi Development Authority (VDA) and GAIL (India) Limited.
- The first phase of the project was inaugurated by Varanasi Mayor Ashok Kumar Tiwari.

- प्रत्येक परिवर्तित नाव में 15 kW इलेक्ट्रिक आउटबोर्ड मोटर, 20 kWh लिथियम बैटरी, ऑनबोर्ड EV चार्जिंग, GPS ट्रैकिंग, डिजिटल डिस्प्ले एवं रिमोट मॉनिटरिंग की सुविधा है।
- एक बार चार्ज होने पर नाव अस्सी घाट और नमो घाट के बीच तीन चक्कर लगा सकती है।
- प्रथम चरण में 20 पारंपरिक नावों को इलेक्ट्रिक नावों में परिवर्तित किया जाएगा।
- नई तकनीक अपनाने वाले 5 नाविकों को सम्मानित किया गया।

- Each converted boat features a 15 kW electric outboard motor, 20 kWh lithium battery, onboard EV charging, GPS tracking, digital display and remote monitoring.
- Once charged, the boat can make three trips between Assi Ghat and Namo Ghat.
- In the first phase, 20 traditional boats will be converted into electric boats.
- Five sailors who adopted new technology were honoured.

भारत ने इलेक्ट्रिक बोट कन्वर्जन पायलट प्रोजेक्ट की शुरुआत कहाँ की है?

Where has India launched the Electric Boat Conversion Pilot Project?

A. साबरमती रिवरफ्रंट, अहमदाबाद / Sabarmati Riverfront, Ahmedabad

B. मरीन ड्राइव, मुंबई / Marine Drive, Mumbai

C. नमो घाट, वाराणसी / Namohat, Varanasi

D. डल झील, श्रीनगर / Dal Lake, Srinagar



Question Of The Day

हाल ही में 'इंटरनेशनल बुकर प्राइज' का नाम बदलकर क्या रखा जाएगा?

Recently, what will the International Booker Prize be renamed to?

- A. क्रैंकस्टार्ट इंटरनेशनल बुकर प्राइज / Crankstart International Booker Prize
- B. मैन इंटरनेशनल बुकर प्राइज / Man International Booker Prize
- C. बुकमैन इंटरनेशनल बुकर प्राइज / Bukhman International Booker Prize
- D. ग्लोबल इंटरनेशनल बुकर प्राइज / Global International Booker Prize

THANKYOU